>

Title: Need to allocate funds for construction of National Highways for Himachal Pradesh, by the Ministry of Road Transport and Highways.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर, हि.प्र.): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सड़क परिवहन मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश पर्वतीय राज्य है और सड़कें ही हमारी जीवन रेखा हैं। लेकिन दुर्भाग्य की बात है 2011-2012 के बजट में हिमाचल प्रदेश के लिए कोई भी राशि का प्रावधान नहीं किया गया है। यहां तक कि वहां पांच नए राष्ट्रीय राजमार्ग बनने हैं और कई राष्ट्रीय राजमार्गों को अपग्रेड करने की जरूरत है। उसीके साथ-साथ बारिश के बाद खस्ताहाल सड़कों का हुआ है, उसकी देखरेख के लिए धन का प्रावधान नहीं किया गया है। यहां तक कि हमीरपुर शहर के लिए जो बाईपास बनना है, उसके लिए कोर्ट के निर्णय के बाद एक नया प्रपोजल बनाकर भेजा गया कि 17.70 करोड़ रुपए चाहिए, ताकि जिनकी जमीन हमें लेनी हैं, उन्हें मुआवजे के रूप में पैसा दिया जा सके। बनेरखड नेशनल हाईवे 88 के ऊपर लगभग 12.63 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, उसका भी बजट बनाकर भेजा गया, लेकिन उस पर भी कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है।

मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से आग्रह है कि ये दोनों परियोजनाएं जो प्राक्कलन स्वीकृति के लिए यहां आई हैं, उन्हें जल्द से जल्द एप्रूव कराकर भेजा जाए। नेशनल हाईवेज के रखरखाव के लिए, जिनकी दुर्गति हुई पड़ी है, बड़े-बड़े खड्डे पड़े हुए हैं, मरम्मत नहीं हो पा रही है, उनके लिए भी ज्यादा से ज्यादा धन दिया जाए। अगर जीरो-बजट रखा जाएगा केवल इसके लिए कि वहां पर विपक्ष की सरकार है, अगर इस नाते रखा गया है तो यह दुर्भाग्य है। अगर पहाड़ी राज्यों को एक तरफ आप कहते हो कि गंगा का पानी बहते रहना चाहिए, नीचे वाली स्टेट्स को नुकसान न हो और ऊपर से उन्हीं पहाड़ी राज्यों को सड़कों के रखरखाव के लिए केन्द्र सरकार पैसा नहीं देगी, तो हम पेड़ भी नहीं काटते, हम पानी भी नीचे जाने देते हैं, अगर कल हमारे, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य पानी पर रोक लगाएंगे और हमें अपने अधिकार नहीं मिलेंगे, तो इन राज्यों का विकास कैसे होगा?

मैं अंत में केवल इतना कहना चाहता हूं कि ये जो प्राक्कलन भेजे गये हैं इन्हें जल्दी से जल्दी स्वीकृत करवाकर भेजा जाए। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: Shri Virender Kashyap is allowed to associate with the matter raised by Shri Anurag Singh Thakur.